

SURBHHI K. MODI

ABOUT

Surbhhi K. Modi is a multidisciplinary artist who works with sculpture, textile and installations to create whimsical, allegorical works that fit into her non-linear universe. She strives to liberate functional objects from the conventional constraints of use and usability making them socio-political objects charging them with a narrative that's not necessarily straight-forward, the deeper you probe, the less clear things become, but intrigue is Surbhhi's stock-in-trade.

Her practice is an exploration of post modernism, and involves juxtaposing disparate materials together and combining traditional household objects with labour-intensive craft with spirit and mystique. She sees the artist as an unpredictable, resourceful alchemist making objects of beauty and form, many of sculptures have a function even those that wear the artifice of aestheticism.

The Monkey or Bandar is an ongoing subject of Surbhi's artistic oeuvre, which she revisits often. The Bandar is a deeply complex work which is highly conceptual, it is both personal referring to familial love and a cry for independence and yet it deals with universal themes of national pride, social-cultural issues, and freedom of speech and body. Bandar intends to spread the message of tolerance, love, unity despite diversity, of being human not just a woman or an Indian.

The Bandar (Monkey Series)

Fibreglass, Resin, Proprietary Paints,

Silver leaf, Gold leaf, Acrylic eyes

50 inches X 42 inches X 38 inches

2024





यह बंदर क्या है?

- Surbhhi K. Modi



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
यह मेरा गहरा एहसास है,
दुनिया के घने शोर में,
मन की दबी आवाज़ है!
दिल का है पैगाम मेरा,
अनूठा, अनोखा, अंदाज़ है!
चोटी की भूक है मेरी,
बड़ी तेज प्यास है,
उम्र भर की इबादतों का पहला आगाज़ है!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
यह मेरी माँ है,
सौ खूँ माफ़ है,
बाप का उत्साह है,
बहनों की गोद में भी,
बेटे की ललकार है!
दुनिया की कड़ी कश्मकश में,
पति का बेहद प्यार है,
बेटी की खिल-खिलाई हँसी में,
मेरे भाइयों का दुलार है,
हम एक परिवार, एक परिवार है!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
है पहचान मेरी,
ध्यान का परिणाम है,
पति का मेरे गुरुर है,
थोड़ा मुश्किल ज़रूर है!
वैज्ञानिकों की सभा में भी,
कला का भंडार है,
महलो की छाँव में सही,
मेरे गंदे पाँव हैं!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
हनुमान है,
राम का नाम है,
धर्म का कारोबार नहीं,
शांति का सूबेदार है,
दिल की है दुआ मेरी,
येसु के स्कूल में,
श्याम की शरारतों में,
मेरी भारत माँ है!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
यह मैं हूँ,
यह मेरी कहानी है,
सालों से खुद को बोल रही हूँ,
ये बात अब सब को सुनानी है!
है उम्मीद मेरी,
रूह की पुकार है,
पसीने की हर एक गीली बूँद में,
मेरा पागल जूनून है,
मेरा पागल प्यार है!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
शबरी के देश में,
मीरा का इंतज़ार है,
खुदही में खुदा को ढूढ़ना,
मेरे महज़ब की दास्तान है,
तेरा प्यार तो खूब मिला मुझे,
तेरी इज़्ज़त की इन्तहा है!
गांधीजी का कागज़ तो खूब है,
अब रूमी की इल्तिजा है!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
है वफ़ादारी का इम्तिहान तेरा,
यह प्यार की निशानी है,
घुप-चुप घुप-चुप,
खूब मोहब्बत करली,
अब आवाम में बारी है!
दिल से तेरी वफ़ा है तो?
काफ़िरों सा प्यार कर,
नहीं कुबूल तो कोई नहीं,
मजनुओं की परवान कहाँ,
मैं तो खुद पे खुदही फ़िदा हूँ
यह लैला तो खुदही की दीवानी है!



यह बन्दर क्या है?

यह बन्दर क्या है?

स्वतंत्रा का एलान है मेरा,
इंकलाब की आवाज़ है,
पहले कई बार चुना तुझे,
अब खुद को मैंने चुना है,
सदियों से तूने शौरत पायी,
और मैंने कष्ट सहा है,
आज मेरी बारी है, मंच पर,
और पीछे तू खड़ा है!



यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?
यह मेरी बुलंद,
निडर आवाज़ है,
कला की लम्बी दास्तान है यह,
सालों की ख़ामोशी के बाद,
अब कहनेवाली बात है,
चीन की लड़ाकी पुलिस नहीं,
यह आज़ाद भारतीय जनता हैं,
यह बन्दर क्या है?
यह बन्दर क्या है?





The Monkey is an ongoing subject of Surbhhi's artistic oeuvre, which she revisits often. Inspired by her very own pet monkeys, Badges and Pinks each of her pieces though unique, are evocative of the delicate relationship between man and animals and often point to a deeper narrative. She sees the monkey as the animal that best evokes man, in its bodily shape, expressions and movements. In her words, "monkeys are mini humans with zero inhibitions, social norms and etiquette."

The Monkey Series

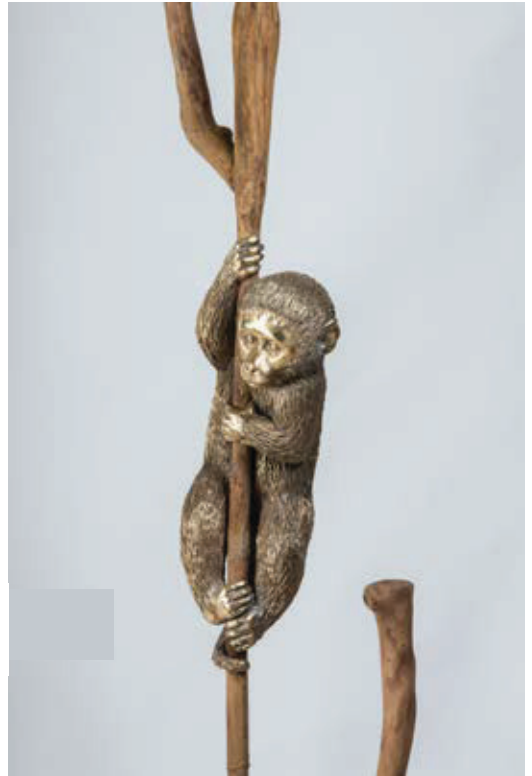
Brass, Fibreglass, Ceramic, Plaster and Steel

24 x 12 x 12 in





Mother and Child
Silicone, Fibreglass and Pigments
12 x 12 x 10 in



This was the first sculpture Surbhhi made in the Monkey series in 2016, a year after her son Sumer was born. As a new mother herself, the piece has special meaning to her as she explores the precious relationship between a mother and child.





Mukin has an unmistakable feminist underpinning using language and humour to champion the role of the woman. Surbhhi studies languages and linguistic anomalies, and brings to attention strange coincidences between languages and cultures, with the strong belief that everything is connected, and if we recognise our similarities, we can build a better future. For instance, the umbrella bears the words, "Vaananar" that means monkey in Sanskrit, but translates to "Wo(h) Man" in English, to stress the ubiquity of women and their importance, putting them at the root of everything.



Brass, Wood, Ceramic, Plaster, Bulb and Steel
24 x 12 x 12 in







New Delhi . London
@studiosurbhimodi